23. डायरी लेखन

प्रतिदिन की बातों या घटनाओं को किसी डायरी में प्रतिदिन कलमबद्‌ध करना डायरी लेखन कहलाता है। इसे दैनंदिनी भी कहते हैं। डायरी लिखना बहुत से लोगों की दिनचर्या का एक हिस्सा होता है। शाम के वक्त वे दिनभर की छोटी–बड़ी सभी महत्वपूर्ण बातों को डायरी में नोट करते हैं। डायरी लेखन भी एक कला है। प्रत्येक व्यक्ति डायरी नहीं लिखता क्योंकि इसमें काल्पनिक या बनावटी बातों का कोई स्थान नहीं रहता।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को डायरी कैसे लिखी जाती है, परिचित करवाएँ।
- ❖ समझाएँ, यह व्यक्तिगत या निजी बातों का विवरण या खज़ाना होती है अत: यह सभी के पढ़ने के लिए नहीं होती।
- ❖ यह भी समझाएँ, किसी की डायरी बिना अनुमति के पढ़ना गलत बात होती है। ऐसा कभी न करें।
- ❖ बताएँ, डायरी लिखते समय दिनांक, स्थान तथा दिन अवश्य लिखना चाहिए।
- ❖ डायरी मन के भावों का पिटारा होती है।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए हुए डायरी लेखन के उदाहरण बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ अभ्यास बच्चों से करने को कहें। समझाएँ, केवल अपने अनुभव लिखें, बनावटी बातें न लिखें।